

# ईडीआईआई को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने दी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की मान्यता

## रवांडा के किगली में 'रवांडा इंडिया एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर' स्थापित

अहमदाबाद, एजेंसी। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) को देश के स्किलिंग इकोसिस्टम के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) के रूप में मान्यता दी गई है। इस संबंध में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा एक आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना जारी की गई है। मंत्रालय द्वारा कई मापदंडों पर संस्थान की गहन जांच के बाद दी गई मान्यता शुरू में पांच साल के लिए वैध होगी। एमएसडीई द्वारा जारी सीओई की मान्यता दिशानिर्देशों के अनुसार एक 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' एक ऐसा निकाय है, जो तेजी से उभरती टेक्नोलॉजी पर विशेष ध्यान देने के साथ

विशिष्ट क्षेत्रों के लिए नेतृत्व, सर्वोत्तम अभ्यास, अनुसंधान और विकास सहायता, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसका अर्थ है ऐसा निकाय जहां उच्चतम मानकों को बनाए रखा जाता है। ईडीआईआई को स्किलिंग इकोसिस्टम में एक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। यह उद्योग, शिक्षाविदों और सरकारों के साथ सहयोगात्मक तरीके से काम करने वाला वन-स्टॉप राष्ट्रीय संसाधन केंद्र है। यह नए उद्यम निर्माण और रोजगार बढ़ाने को सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण और दक्षता प्रदान करता है, उभरते कौशल अंतराल को दूर करता है और उद्योग की जरूरतों से मेल खाने वाले नवाचारों के लिए अनुसंधान करता है। ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला ने कहा, 'यह बहुत गर्व की बात है कि



ईडीआईआई को भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। ईडीआईआई ने उद्यमिता विकास की अवधारणा को पेश किया और यह स्थापित किया कि कैसे उद्यमिता को किसी भी अन्य शैक्षणिक विषय की तरह अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए सीखा जा सकता है। कौशल और ज्ञान भारत के लिए आर्थिक विकास और सामाजिक विकास की प्रेरक शक्ति हैं और बदलते वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए संस्थान ने उद्यमिता के आधार पर संपूर्ण आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए समाज के विभिन्न क्षेत्रों और वर्गों को लक्षित किया है। रवांडा-इंडिया एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर का उद्घाटन किगली, रवांडा में केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री श्री वी. मुरलीधरन के हाथों 15 नवंबर 2021 को हुआ।

